an>

Title: The Minister of External Affairs made a statement regarding reported meeting of an Indian Journalist with Hafiz Saeed in Pakistan.

शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैंकैय्या नायडू) : महोदय, कल कुछ सदस्यों ने सदन के अंदर मुद्दा उठाया था कि भारत का एक पत्रकार पाकिस्तान जाकर वहां के आतंकवादी नेता हाफिज़ सईद से मिला है। मैंने विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा जी से बात की है और वे सदन में आई हैं। वे इस संदर्भ में एक स्टेटमेंट देंगी।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब आप सुनिए। ऐसा नहीं होता है कि आप मांग भी करोगे और बोलते भी रहोगे।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सौगत राय जी, आप बैठ जाएं। हर कोई हर बात पर नहीं बोलेगा।

â€¦(व्यवधान)

विदेश मंत्री तथा प्रवासी भारतीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज) : अध्यक्ष जी, जो मुद्दा कल सदन में उठा था, मैं आज उसी के बारे में वक्तव्य देने आई हूं। मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ बहुत केटिगोरिकली और अनइक्वोकली आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहती हूं कि श्री वेद प्रताप वैदिक की पाकिस्तान यात्रा या वहां हुई हाफिज़ सईद से उनकी मुलाकात से भारत सरकार का दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है।

न पाकिस्तान जाने से पहले और न पाकिस्तान जाकर उन्होंने हमें कोई सूचना दी कि वह हाफिज़ सईद से मिलने वाले हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : क्या है? Why are you then taking his name? सौगत राय जी, आप सीनियर हैं। जरूरी नहीं है, आप हर बार टोकाटोकी करें।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्ष जी, यह शुद्ध रूप से उनकी निजी यात्रा और व्यक्तिगत मुलाकात थी। यहां इस तरह के आरोप लगाना कि वह किसी के दूत बनकर गये थे। वह किसी के चेले हैं या भारत सरकार ने इस भेंट को निर्धारित करवाया था या उनको मिलने में मदद की थी। यह बात पूरी तरह से असत्य और निराधार तो है ही साथ ही बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहती हूं कि भारत सरकार का इससे कोई वास्ता नहीं है। यह मैं पुन: दोहराना चाहती हूं।...(व्यवधान)

शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैंकैय्या नायडू) : माननीय अध्यक्ष जी, कुछ माननीय सदस्य यूपीएससी के बारे में इश्यूज़ उठाना चाहते थे। वे नोटिस दें। आपकी अनुमति देने के बाद सरकार उसके बारे में भी रिएक्ट करेगी।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : क्या आप अभी स्टेटमेंट देंगे?

श्री एम.वैंकैय्या नायडू : यूपीएससी के बारे में जो लोग अपनी व्यथा व्यक्त कर रहे हैं, कुछ बाहर घटना हुई है, उसको लेकर जो कर रहे हैं, उसके बारे में जो नोटिस आप देंगे और नोटिस की अनुमति अगर दी जाएगी तब सरकार बाद में उचित समय पर रेस्पांस देगी।

HON. SPEAKER: Do you want to say something just now?

श्री एम.वैंकैय्या नायडू : आपकी अनुमति के बाद।

माननीय अध्यक्ष : अभी नहीं बाद में देंगे।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सभी मुद्दे एक साथ नहीं लिये जा सकते। मैं आपसे पूछ रही हूं कि क्या किसी नियम के अन्तर्गत आप जवाब देंगे या अभी देंगे? यूपीएससी वाली बात कल भी उठी थी। राजनाथ जी, उसके संदर्भ में क्या आप अभी कुछ कहना चाहेंगे या बाद में कुछ कहना चाहेंगे?

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आज नहीं। ठीक है। मैंने बोला है। आप किसी नियम के अन्तर्गत उठाइए तो जवाब आ जाएगा। अब हो गया।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: He has already said that.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : बार बार क्या होता है? उठा चुके हैं। वही बात क्या बार बार बोलेंगे? जब सरकार कह चुकी है, आपके बोलने के बाद हमने उनको बुलाया।

â€¦(व्यवधान)

SHRI JYOTIRADITYA M. SCINDIA (GUNA): Madam, he must be allowed to speak....(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): Madam, I am thankful to you....(*Interruptions*) I would like to know the action they are going to

take...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : एक्शन का कुछ सवाल नहीं है। धर्मेन्द्र जी, बैठिए। सरकार ने कहा है आप उठाइए। फिर आपको जवाब मिलेगा। महबूबा जी को मैंने एलाउ किया है लेकिन उसी के साथ मैं कहूंगी कि मैं इस बात के साथ आपको एलाउ कर रही हूं और मैं बार बार कह चुकी हूं कि यह प्ले कार्ड और ये आपके सबके बनाये हुए नियम हैं। नया कुछ नहीं है। प्लीज, एलाउ नहीं होंगे। I am saying this from day one. आप सभी सदस्यों से मेरा निवेदन है कि यहां के लोगों को भी कोई सदन में प्ले कार्ड नहीं दिखाएगा। मुझे मजबूर नहीं करेगा। मेरा आपसे आग्रह है। प्लीज कोआपरेट करिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बोल दिया उन्होंने। स्टेटमेंट पर चर्चा नहीं होती। आप अलग विषय पर मांगेंगे तो चर्चा होगी। She has made her statement. ठीक है। जब कोई सवाल ही नहीं है तो एक्शन का सवाल नहीं आता है। महबूबा जी, आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यह कोई तरीका नहीं है।

â€¦(व्यवधान)